विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक 22-10-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज अनुच्छेद लेखन के बारे में अध्ययन करेंगे

16

रचना का संसार

अनुच्छेद लेखन

किसी विषय पर कम शब्दों में अपने विचारों को सिलसिलेवार लिखना अनुच्छेद लेखन कहलाता है। इसमें यह ध्यान दिया जाता है कि एक ही वाक्य को बार-बार न लिखा जाए।

नीचे दिए गए अनुच्छेदों को ध्यान से पढ़िए और समझिए-

1. मुहल्ले का पार्क

हमारे मुहल्ले में एक सुंदर पार्क है। इसमें भाँति-भाँति के पेड़-पौधे लगे हैं। सुंदर रंग-बिरंगे फूलों वाले पौधे भी लगे हैं। पूरा पार्क हरी-भरी घास से सुसज्जित है। यहाँ मुहल्ले के सभी लोग टहलने आते हैं। कुछ लोग व्यायाम भी करते हैं। यहाँ आकर बच्चे झूला झूलने और खेलने में व्यस्त रहते हैं। कुछ बुजुर्ग पार्क में बेंच पर विश्राम कर रहे होते हैं। कुछ लोग यहाँ चटाई बिछाकर योगासन भी करते हैं। पार्क का माली पौधों को पानी देता है। वह बच्चों पर नज़र रखता है, जिससे वे पेड़-पौधों को कोई हानि न पहुँचा सकें। वास्तव में संसार की सारी खुशहाली इस छोटे से पार्क में समाई हुई है।

2. मैंने साइकिल चलाना सीखा

अपनी कक्षा में प्रथम आने पर पिता जी ने मुझे एक साइकिल उपहार में दी। साइकिल बहुत पसंद आई परंतु मुझे साइकिल चलाना नहीं आता था। एक दिन हिम्मत करके मैं साइकिल चलाने के लिए

उसकी सीट पर बैठ गया। मैंने पैडल मारे पर साइकिल आगे बढ़ने की बजाय नीचे गिर गई। मेरी चीख निकल गई। साइकिल मेरे ऊपर ही गिर गई थी जिससे मेरा घुटना छिल गया था। मेरे पिता जी दौड़कर आए। उन्होंने मुझे उठाया। उन्होंने मुझे समझाया कि साइकिल चलाने के लिए सबसे पहले संतुलन बनाना चाहिए। पिता जी ने मुझे डाँटा नहीं बल्कि मेरा हौसला बढ़ाया। मैं डरते-डरते साइकिल की सीट पर बैठ गया। पिता जी ने पीछे से साइकिल पकड़ ली। मैं धीरे-धीरे पैडल मारने लगा। बीच-बीच में पिता जी के निर्देश भी सुनता रहा। इस प्रकार, मैंने साइकिल चलाना सीख लिया।

ध्यान पूर्वक पढ़े।